क्लिपर जहाज़

रेनबर्ड की यात्रा

थॉमस लुईस

चित्र: जोआन

क्लिपर जहाज़

रेनबर्ड की यात्रा

न्यूयॉर्क से कैलिफ़ोर्निया तक

(केप हॉर्न होकर)

क्लिपर जहाज़

रेनबर्ड की यात्रा

न्यूयॉर्क से कैलिफ़ोर्निया तक

(केप हॉर्न होकर)

क्लिपर जहाज़ रेनबर्ड, कैलिफोर्निया के लिए जाने के लिए न्यूयॉर्क बंदरगाह से रवाना हुआ.

कैप्टन मुरडॉक चालक दल को आदेश देते हुए जहाज़ के स्टीयरिंग पहिये के पास खड़े हो गए.

मिसेज़ मुरडॉक उनके पास खड़ी थीं.

जेमी और मेग ने न्यूयॉर्क में अपने घर से अलविदा कहा.

"शायद हमें कैलिफ़ोर्निया में सोना मिले," मेग ने कहा.

"अच्छे मौसम की प्रार्थना करें, मैरी एलिजाबेथ." कप्तान ने अपनी पत्नी से कहा.

"हमारे लिए "वाइट क्लाउड" नामक जहाज़ को हराना ही अच्छा होगा."

"मैं भी आशा करता हूँ," जेमी ने कहा.
"मैं एक सोने की घड़ी खरीदना चाहूता हूँ."

तीन दिन यात्रा करने के बाद यात्रियों ने अपना सामान खोला और वे डेक पर चले.

"ज़रा उधर देखो!" एक ने कहा. "डॉल्फ़िन का एक स्कूल."

"मैं बीमार महसूस कर रहा हूँ," दूसरे ने कहा.

"मुझे नीचे जाना है."

दल के कुछ सदस्य मस्तूल पर चढ़ गए.

वहां पर उन्होंने एक गीत गाया.

फिर रेंगते हुए उन्होंने और अधिक पाल छोड़ी.

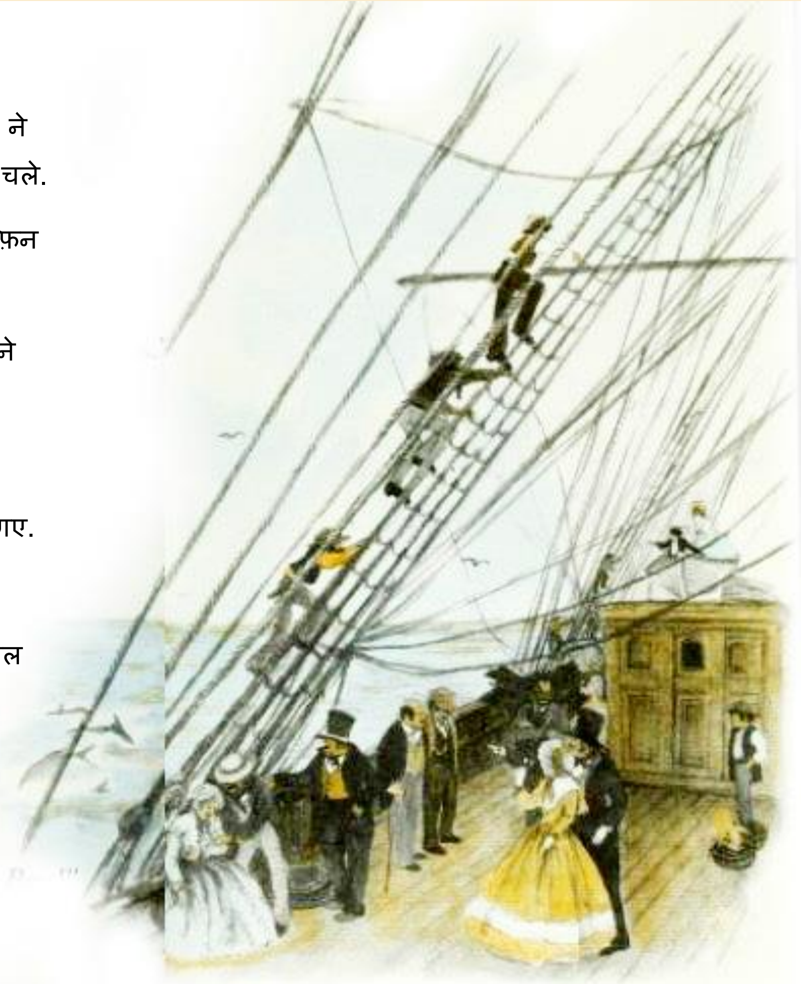

चालक दल ने नीचे कार्गो (सामान) की जांच की.

वहां पर औज़ार, स्टोव और हवा की गति नापने के उपकरण थे,

अनाज की बोरे, कपड़े की गाठें, और उसके अलावा और बहुत कुछ था.

कैलिफोर्निया में बेचने के लिए वहां पर दो हजार लाल रुमाल भी थे.

नाविकों में से एक के पास तोता था.

तोते ने छींका.

"भगवान तुम्हारा भला करे!" नाविक ने उससे कहा.

कप्तान के केबिन में मिसेज़ मुरडॉक चार्ट का अध्ययन कर रही थीं जबकि जेमी उन्हें देख रहा था.

वो केबिन उनका घर था.

मेग का दो-छत वाला पलंग था और जेमी उसपर लेटा था.

जेमी अने पनी दूरबीन तकिए के पास के झूले में रखी थी.

मिसेज़ मुरडॉक का आसपास क्रोनोमेटेर, सेक्स्टेंट, और आंकड़ों से भरे कागज पड़े थे.

"अगर एक अच्छी पूर्वोत्तर हवा मिले," मिसेज़ मुरडॉक ने कहा, "तो आज रात हम बरमूडा पार कर लेंगे."

डेक पर खड़े होकर मेग ने डॉल्फ़िन के चित्र बनाया.

प्रत्येक दिन अलग था.

कभी-कभी हवा धीमी होती थी.

चालक दल पाल नियंत्रित करते थे, वे डेक धोते थे, और पीतल की चीज़ों को पॉलिश करते थे.

कप्तान मुरडॉक जहाज का ऊपर से नीचे तक मुआयना करते थे.

वो जेमी को रेनबर्ड जहाज़ के बारे में बताते थे.

यात्री ताश खेलते थे और अपनी किताबें पढ़ते थे.

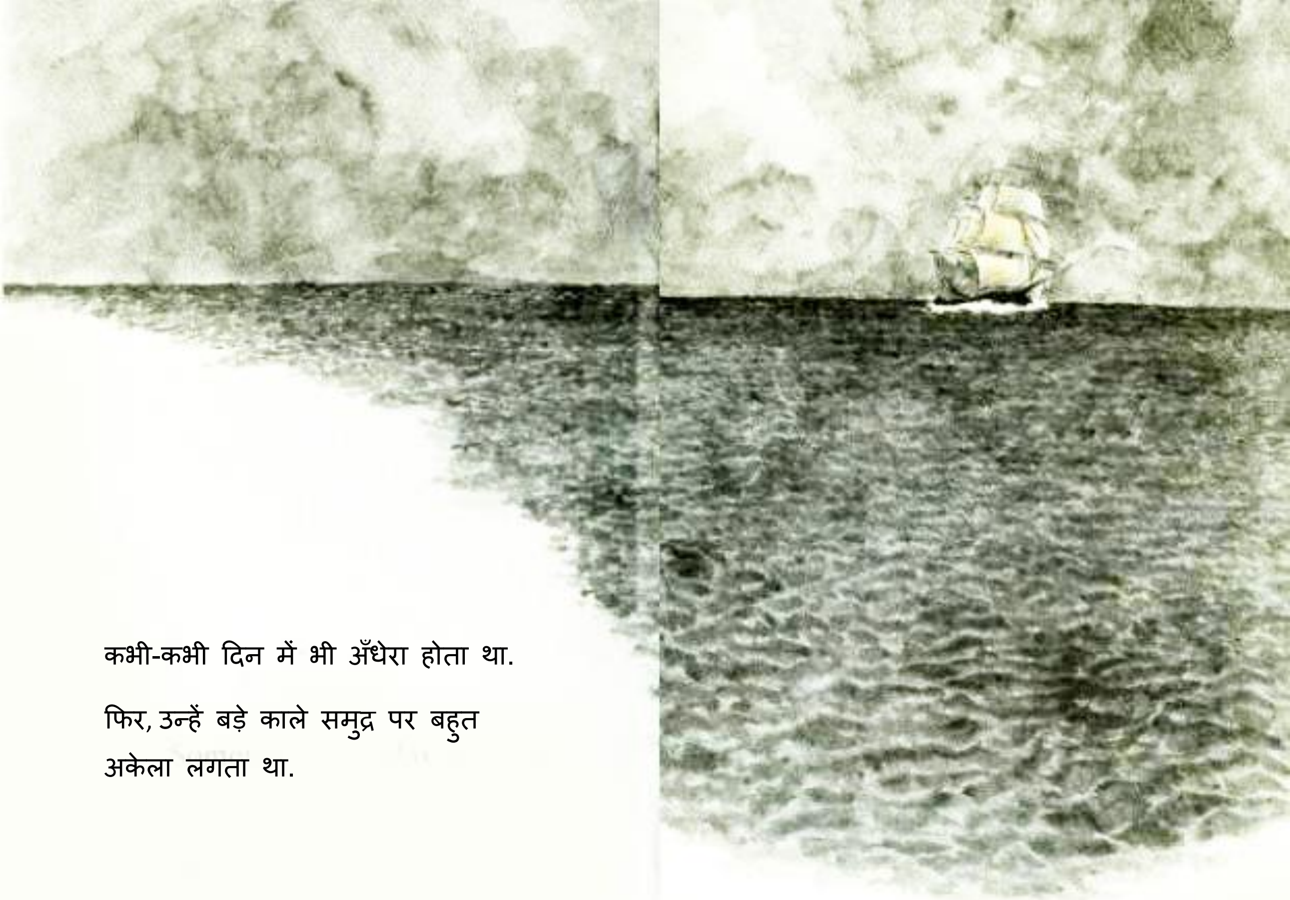

कभी-कभी दिन में भी अँधेरा होता था.

फिर, उन्हें बड़े काले समुद्र पर बहुत अकेला लगता था.

एक दिन तूफान आया.

जैसे ही तूफ़ान जहाज से टकराया, यात्री अपने-अपने केबिन में चले गए.

"मस्तूल पर चढ़ो!" कप्तान ने आदेश दिया.

"पाल को ठीक करो! रस्सियों को कसो!"

जहाज़ दल के लोग डर रहे थे.

कप्तान फिर से चिल्लाया.

"चढ़ो, लड़कों! पाल को ठीक करो!"

तूफ़ान की लहर जहाज़ के एक सिरे के ऊपर आई और उसने पूरे डेक को खारे पानी से धो दिया.

कप्तान मुरडॉक जहाज़ का स्टीयरिंग पहिया संभाले थे.

वो रेनबर्ड को निश्चित रूप से स्थिर रखने की कोशिश कर रहे थे.

"एक आदमी पानी में गिर गया है!" कोई चिल्लाया.

नाविकों में से एक मस्तूल से नीचे समुद्र में गिर गया था.

"लगता है वो पानी में डूब गया है," एक नाविक ने कहा.

लापता नाविक को देखने के लिए कप्तान ने रेनबर्ड को चारों ओर चक्कर लगाया.

मिसेज़ मुरडॉक ने हवा की दिशा और धारा के प्रवाह का अध्ययन किया.

"दक्षिण पश्चिम से दक्षिण की ओर चलें," उन्होंने अपने पति से कहा.

"अब पश्चिम की ओर चलें!"

"देखो वो बेचारा वहाँ है."

"नाव नीचे करो!" कप्तान चिल्लाए.

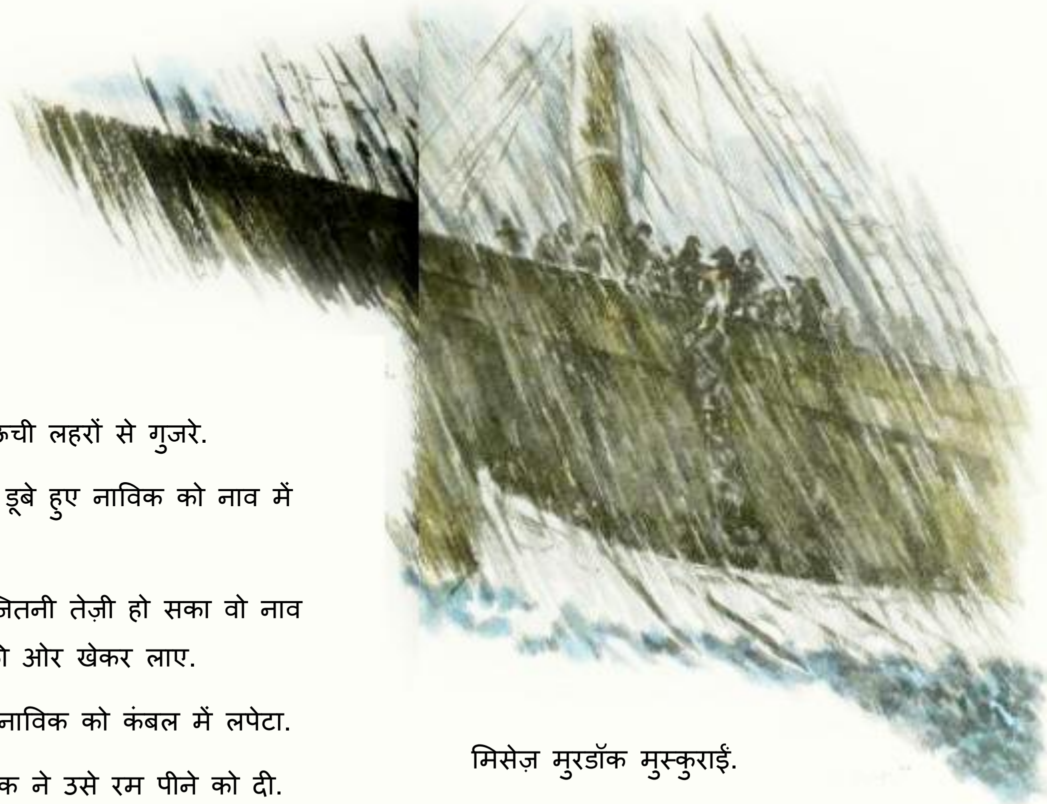

चालक दल ऊंची लहरों से गुजरे.

उन्होंने आधे डूबे हुए नाविक को नाव में खींच लिया.

फिर उनसे जितनी तेज़ी हो सका वो नाव को जहाज़ की ओर खेकर लाए.

उन्होंने गिरे नाविक को कंबल में लपेटा.

मिसेज़ मुरडॉक ने उसे रम पीने को दी.

"धन्यवाद, मैडम," नाविक ने उनसे कहा.

मिसेज़ मुरडॉक मुस्कुराईं.

"तुम्हारा स्वागत है, मिस्टर."

बच्चे भी मुस्कुराए.

फिर रेनबर्ड जहाज़ ने भूमध्य-रेखा को पार किया.

वहां पर सूर्य गर्म था.

वहां पर नाविकों ने अपनी शर्ट उतार दीं.

कुछ यात्रियों ने भी वैसा ही किया.

अन्य यात्री यह देखकर नाखुश थे!

"यह उचित नहीं है," उन्होंने कहा.

भूमध्य-रेखा को देखने के लिए मेग और जेमी एक मस्तूल पर चढ़े.

लेकिन उन्हें सिर्फ अथाह सागर ही दिखाई दिया.

"मेग! जेमी!" उनकी माँ ने उन्हें बुलाया.

"जल्दी आओ, यह तुम्हारी पढ़ाई का समय है."

"हम एक मिनट में आए, माँ," जेमी चिल्लाया.

उसने अपनी दूरबीन में से एक व्हेल को देखा था.

मेग ने भी उसे देखा.

लेकिन मेग अपने बालों में कर्ल बनाने में व्यस्त थी.

वह अपने बालों को गोल-गोल घुमा रही थी और उन्हें गांठों में बांध रही थी.

"अब आओ, बच्चों," उनकी माँ चिल्लाईं.

मेग और जेमी नीचे आए.

माँ उन्हें पढ़ना-लिखना, जोड़ना-घटाना सिखाती थीं.

फिर माँ उन्हें कहानियाँ सुनाती थीं - अपने बचपन की जब वो बड़ी हो रही थीं तब दुनिया कैसी थी.

केप हॉर्न दक्षिण अमेरिका के बिल्कुल अंत में था.

वहां टिएरा डेल फुएगो नामक एक द्वीप था, जिसका अर्थ था "आग की भूमि."

वहां पर देखने के लिए सिर्फ बर्फ, पेंगुइन और व्हेल के अलावा और कुछ नहीं था.

वहां पर अटलांटिक महासागर, प्रशांत महासागर से मिलता था.

वहां बहुत तेज हवाएं चलती थीं.

उससे कुछ जहाज डूब जाते थे.

वहां पर रेनबर्ड जहाज़ भी कांपने लगा.

लोगों को अपने केबिनों की खिड़कियों में से हिमखंड दिखाई दिए.

कप्तान मुरडॉक ने एक प्रार्थना की.

"कृपया कर भगवान हम सबको सुरक्षित रखें.

कृपया भगवान, जहाज पर अपनी कृपादृष्टि रखें."

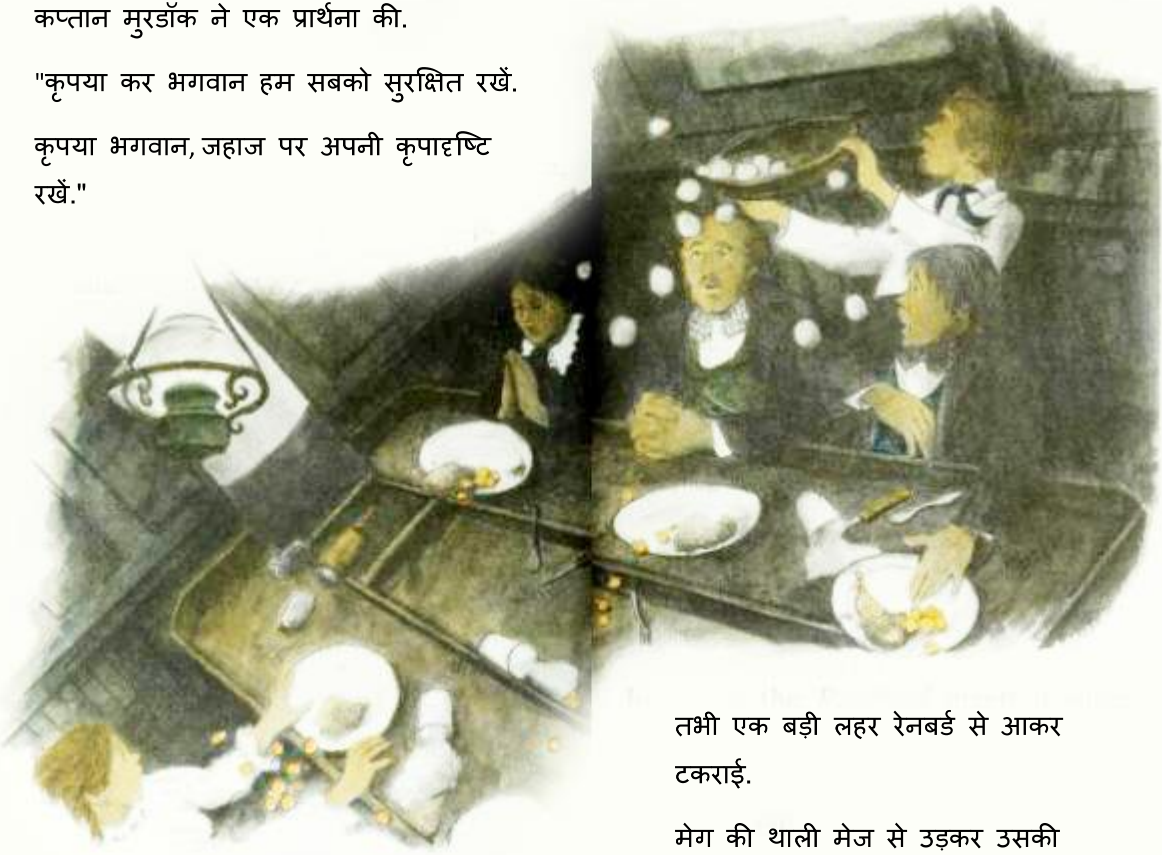

तभी एक बड़ी लहर रेनबर्ड से आकर टकराई.

मेग की थाली मेज से उड़कर उसकी गोद में गिर पड़ी!

"मैं बीमार महसूस कर रहा हूँ, मैरी एलिजाबेथ." कप्तान ने अपनी पत्नी से कहा.

"मेग, जेमी, जल्दी से डॉक्टर को लाओ," कप्तान की पत्नी ने कहा.

डॉक्टर ने कप्तान की जांच की.

"उन्हें दिमागी बुखार (ब्रेन-फीवर) है," डॉक्टर ने कहा.

"उन्हें बिस्तर पर आराम करना होगा."

"लेकिन फिर जहाज कौन चलाएगा?" कैप्टन मुरडॉक ने पूछा.

"मैं जहाज चलाऊँगी," मिसेज़ मुरडॉक ने कहा.

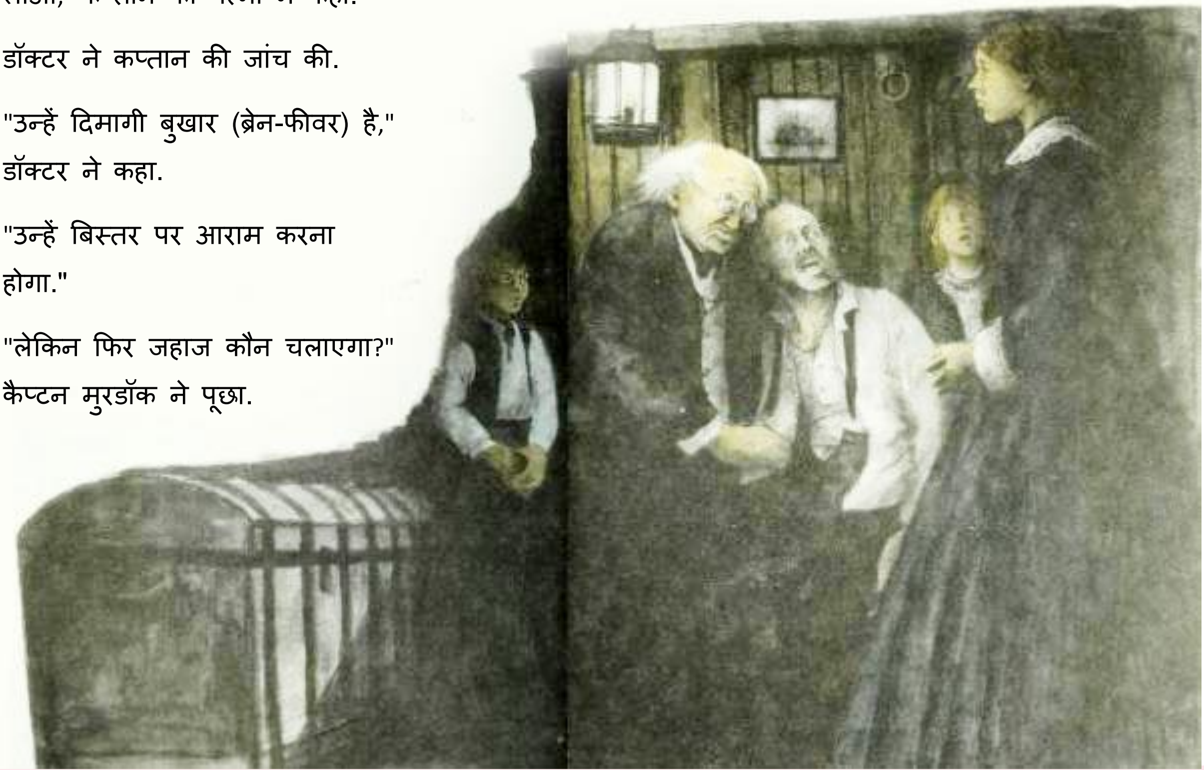

जुलाई के मध्य का समय था और उस समय वहां बर्फबारी हो रही थी.

केप हॉर्न में सर्दी थी.

समुद्र, बर्फ और झाग से एकदम सफेद था.

रेनबर्ड एक बड़ी लकड़ी की मछली की तरह पानी में तैरती रही.

मिसेज़ मुरडॉक ने हिमखंडों पर अपना ध्यान रखा और उन्होंने जहाज को आग की भूमि से दूर रखा.

उन्होंने रेनबर्ड को आगे बढ़ाने के लिए एक सुरक्षित रास्ता खोजा.

उन्होंने पाल को ठीक करने के आदेश दिए.

मेग और जेमी अपनी मां को देखते थे.

समुद्र में गिरने से बचने के लिए बच्चों ने खुद को रस्सियों से डेक से बांधा था.

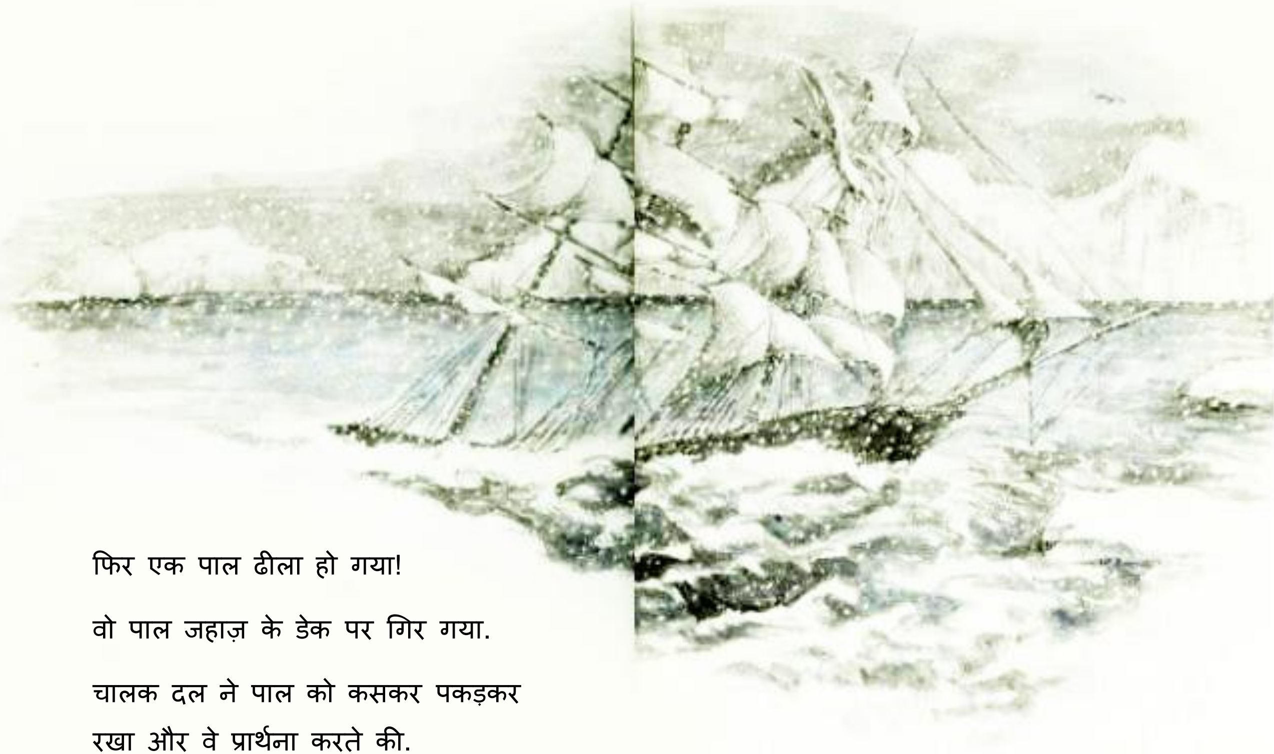

फिर एक पाल ढीला हो गया!

वो पाल जहाज़ के डेक पर गिर गया.

चालक दल ने पाल को कसकर पकड़कर रखा और वे प्रार्थना करते की.

रेनबर्ड जहाज़, केप हॉर्न के चारों ओर सुरक्षित घूमकर गया.

कई दिन बीत गए.

जहाज अब सुरक्षित था, लेकिन कुछ यात्री अभी भी बीमार थे.

कप्तान अभी भी बिस्तर पर थे क्योंकि उनका बुखार बहुत तेज था.

"हेलो," जेमी ने अपने पिता से कहा.

"मैंने जहाज़ का अच्छी तरह निरीक्षण किया है. कुछ हिस्सों और टूटी पालों को छोड़कर बाकी सब कुछ ठीक है."

"गुड मॉर्निंग, पापा," मेग ने कहा. "मैंने उन पक्षियों के चित्र बनाए हैं जिन्हें मैंने देखा था."

"पक्षी?" कप्तान के कहा. "तब हमें ज़मीन के करीब होंगे."

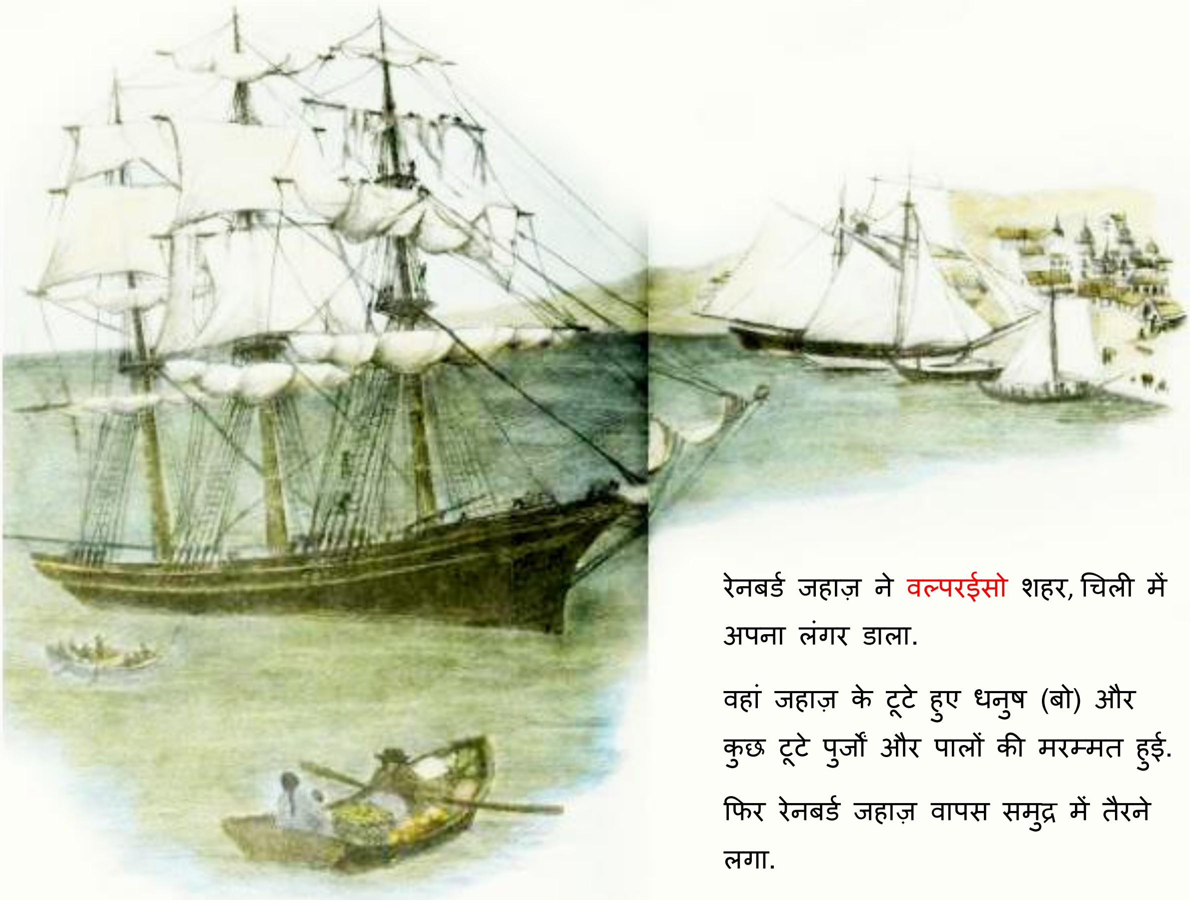

रेनबर्ड जहाज़ ने वल्परईसो शहर, चिली में अपना लंगर डाला.

वहां जहाज़ के टूटे हुए धनुष (बो) और कुछ टूटे पुर्जों और पालों की मरम्मत हुई.

फिर रेनबर्ड जहाज़ वापस समुद्र में तैरने लगा.

जब समुद्र शांत होता था तब मेग और जेमी, अपनी मां की मदद करते थे.

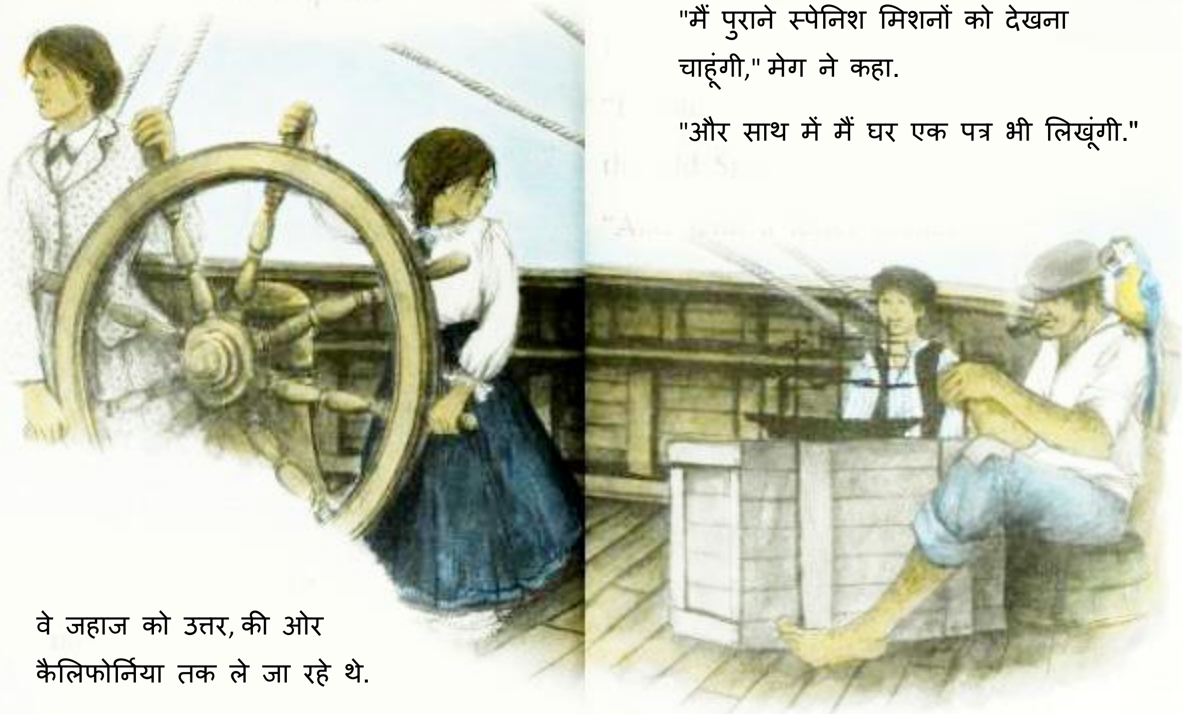

वे जहाज को उत्तर, की ओर कैलिफोर्निया तक ले जा रहे थे.

जेमी ने कहा, "यात्रा से हम जो पैसा कमायेंगे उससे मैं दो सोने की घड़ियां खरीदूंगा."

"मैं पुराने स्पेनिश मिशनों को देखना चाहूंगी," मेग ने कहा.

"और साथ में मैं घर एक पत्र भी लिखूंगी."

रेनबर्ड जहाज़ ने प्रशांत महासागर के एक छोटे से द्वीप के बंदरगाह में अपना लंगर डाला.

जहाज़ ने ताजे पानी, फलों और सब्जियों की सप्लाई भरी.

जहाज़ के यात्रियों ने मूल स्थानीय लोगों को देखा और मूल निवासियों ने यात्रियों को देखा.

मूल निवासियों में से एक ने उन्हें अपनी मित्रता दिखाने के लिए उन्हें एक खोपड़ी दी.

"इसमें फूंकों!" एक साथी ने कहा.

"यह एक मानव खोपड़ी है!"

बाद में, रेनबर्ड जहाज़ गैलापागोस द्वीप समूह से गुजरा.

लेकिन वो वहां रुका नहीं, इसलिए बच्चे वहां रहने वाले विशाल कछुओं को नहीं देख पाए.

कैलिफोर्निया के रास्ते में एक और जहाज "वाइट क्लाउड", रेनबर्ड के पास से गुजरा.

वो समुद्र में तैरने वाले सबसे तेज जहाजों में से एक था.

रेनबर्ड जहाज़ ने अपनी सारी पालें खोल दीं.

लेकिन फिर भी वो उस तेज़ जहाज़ को पकड़ नहीं पाया.

"वाइट क्लाउड" समुद्र के ऊपर उड़ते हुए एक सुंदर सफेद पक्षी की तरह लग रहा था.

"वो कितना सुंदर है," मिसेज़ मुरडॉक ने कहा.

"फिर भी, मुझे उससे आगे निकलना अच्छा लगता."

मेग और जेमी उसे तब तक देखते रहे जब तक कि "वाइट क्लाउड" नजरों से ओझल नहीं हो गया.

रात का समय समुद्र में एक विशेष समय होता था.

बच्चे आसमान के सभी सितारों को जानते थे.

मेग को उसके लिए जेमी के टेलीस्कोप की कोई जरूरत नहीं पड़ती.

उसने अपने हाथ से एक फूंकने वाली बन्दूक बनाई और उससे जहाज़ के बावर्ची पर एक टुकड़ा फेंका.

कैप्टन मुरडॉक अपने बिस्तर पर बैठे और उन्होंने भी सुंदर आकाश को निहारा.

जेमी और मेग जहाज़ के होल्ड में
लुका-छिपी खेली!

जेमी कंबलों की एक गाँठ के पीछे छिप गया,
लेकिन मेग उसे ढूंढ लिया.

मेग कीलों के एक बैरल के पीछे छिप गई.

लेकिन तोते ने उसका राज़ बता दिया.

तोते को मेग के कंधे पर खड़ा होना पसंद था.

जब मौसम शांत होता, तो लंबी पालें ताजी हवा तलाशती थीं और रेनबर्ड को खींचती थीं.

तब यात्री और चालक दल पानी में शार्क देख सकते थे.

"स्की-डैडल, मछली!" एक नाविक ने कहा.

फिर हवाएं चलने लगीं.

रेनबर्ड की पाल भर गई.

उसके पास दर्जनों पाल थीं, समुद्र की हवाएं उसे खींचती थीं.

वो अपनी सभी पालों की मदद से समुद्र में तेज़ी से तैरती थी.

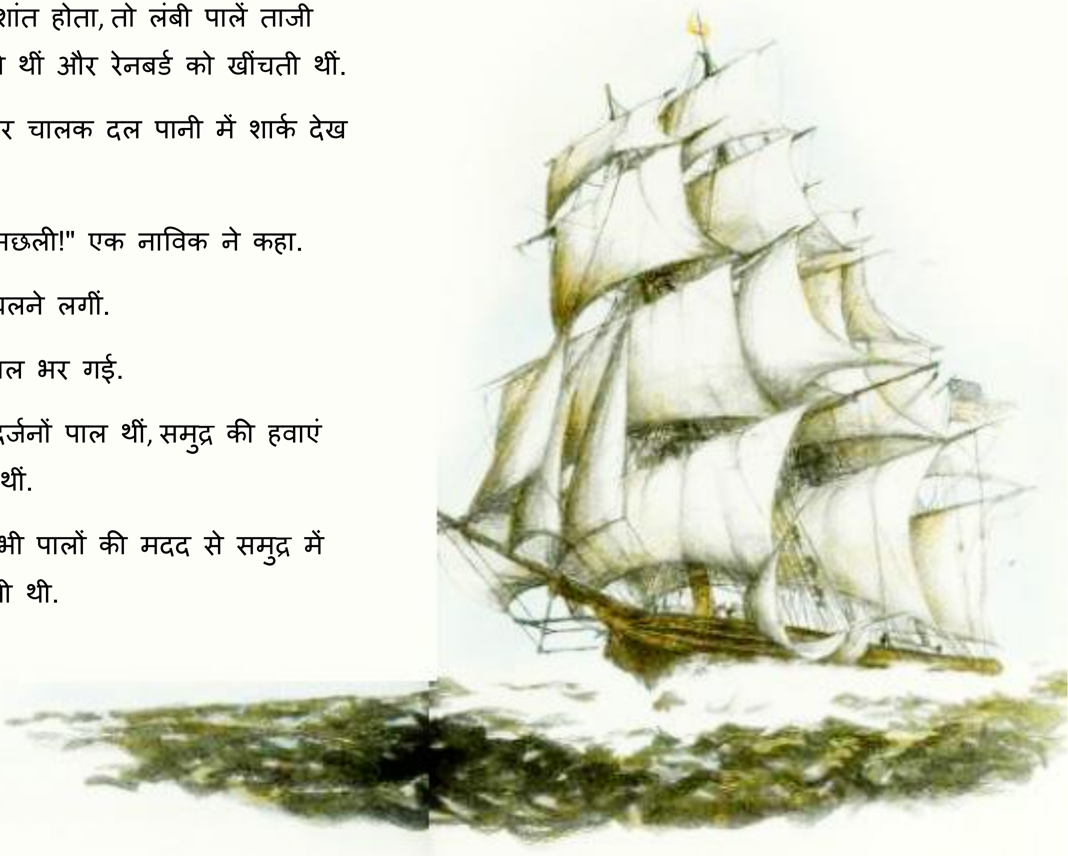

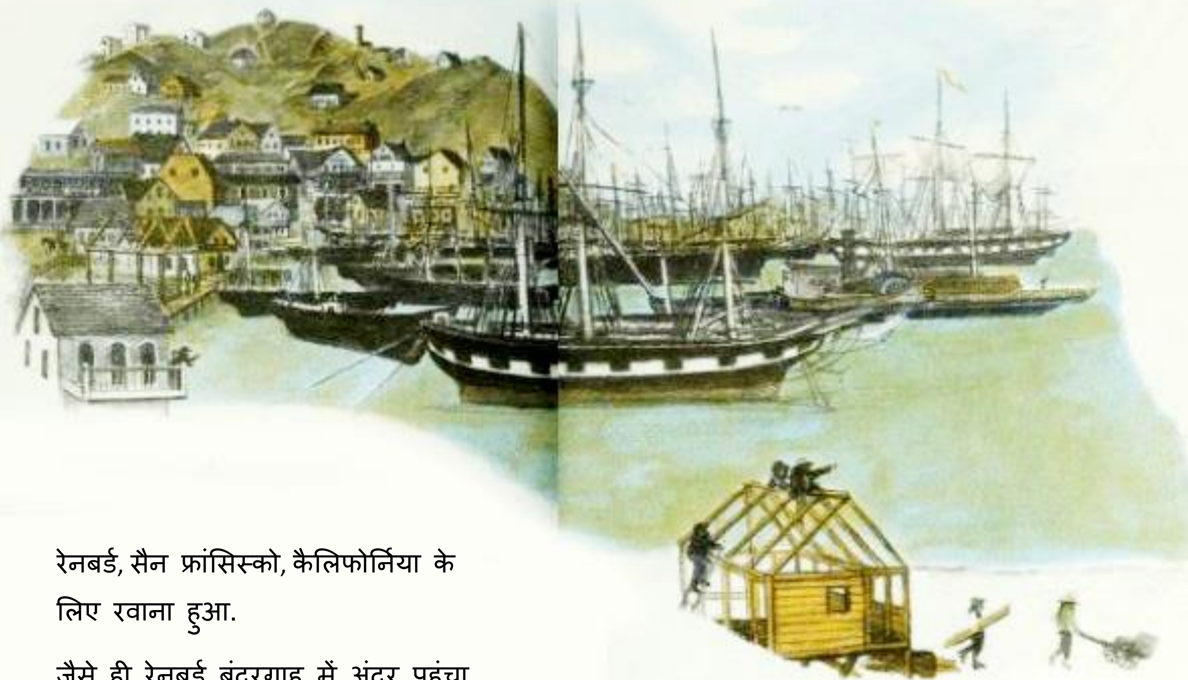

रेनबर्ड, सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया के लिए रवाना हुआ.

जैसे ही रेनबर्ड बंदरगाह में अंदर पहुंचा, खाड़ी अन्य जहाजों से भर गई.

"मैरी एलिजाबेथ," कैप्टन मुरडॉक ने अपनी पत्नी से कहा,

"मुझे तुम पर गर्व है."

"मुझे भी तुम पर गर्व है," मिस मुरडॉक ने कहा.

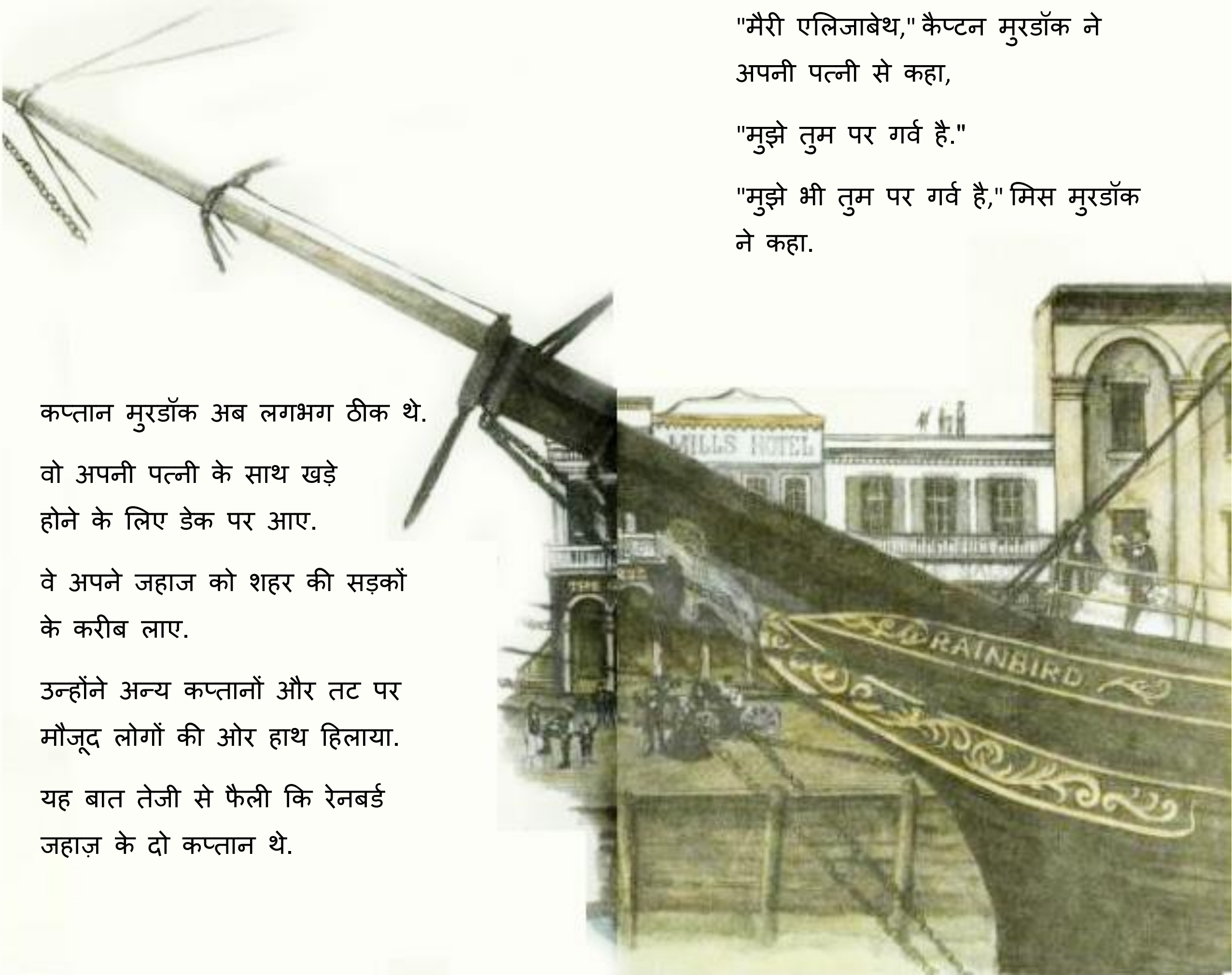

कप्तान मुरडॉक अब लगभग ठीक थे.

वो अपनी पत्नी के साथ खड़े होने के लिए डेक पर आए.

वे अपने जहाज को शहर की सड़कों के करीब लाए.

उन्होंने अन्य कप्तानों और तट पर मौजूद लोगों की ओर हाथ हिलाया.

यह बात तेजी से फैली कि रेनबर्ड जहाज़ के दो कप्तान थे.

जेमी और मेग ने शहर के लोगों को रेनबर्ड जहाज़ दिखाया.

जेमी ने दो सोने की घड़ियों खरीदने के लिए अपनी दूरबीन बेंच दी.

"किसी दिन," मेग ने कहा, "मैं कैलिफोर्निया में रहना चाहूंगी और वहां के पहाड़ों को देखना चाहूंगी."

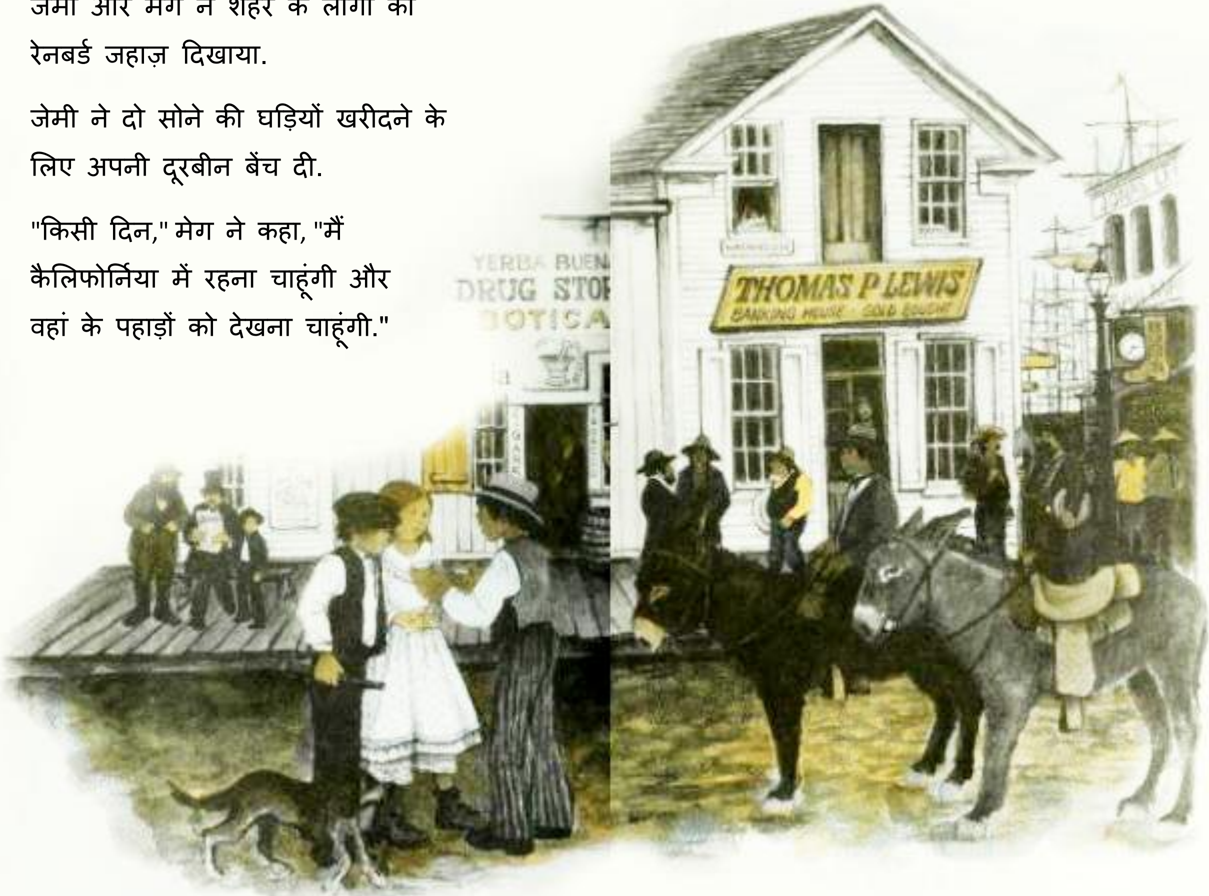

फिर उन्होंने यात्रियों से अलविदा कहां और चालक दल से हाथ मिलाया.

"मुझे आशा है," कैप्टन जेम्स ने चालक दल से कहा, "कि मैं आप सभी से फिर कभी ज़रूर मिलूंगा."

"हां सर!" चालक दल के साथियों ने कहा.

"हम में से कुछ घर जायेंगे. पर कुछ सोने की तलाश में कैलिफ़ोर्निया में ही रहेंगे."

कप्तान मुरडॉक मुस्कुराए और उन्होंने अपना सिर हिलाया.

कप्तान और मिसेज़ मुरडॉक, मेग, और जेमी ने तट पर रात का भोजन किया.

उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में बातें कीं.

उन्होंने एक-दूसरे को सफल यात्रा के लिए बधाई दी.

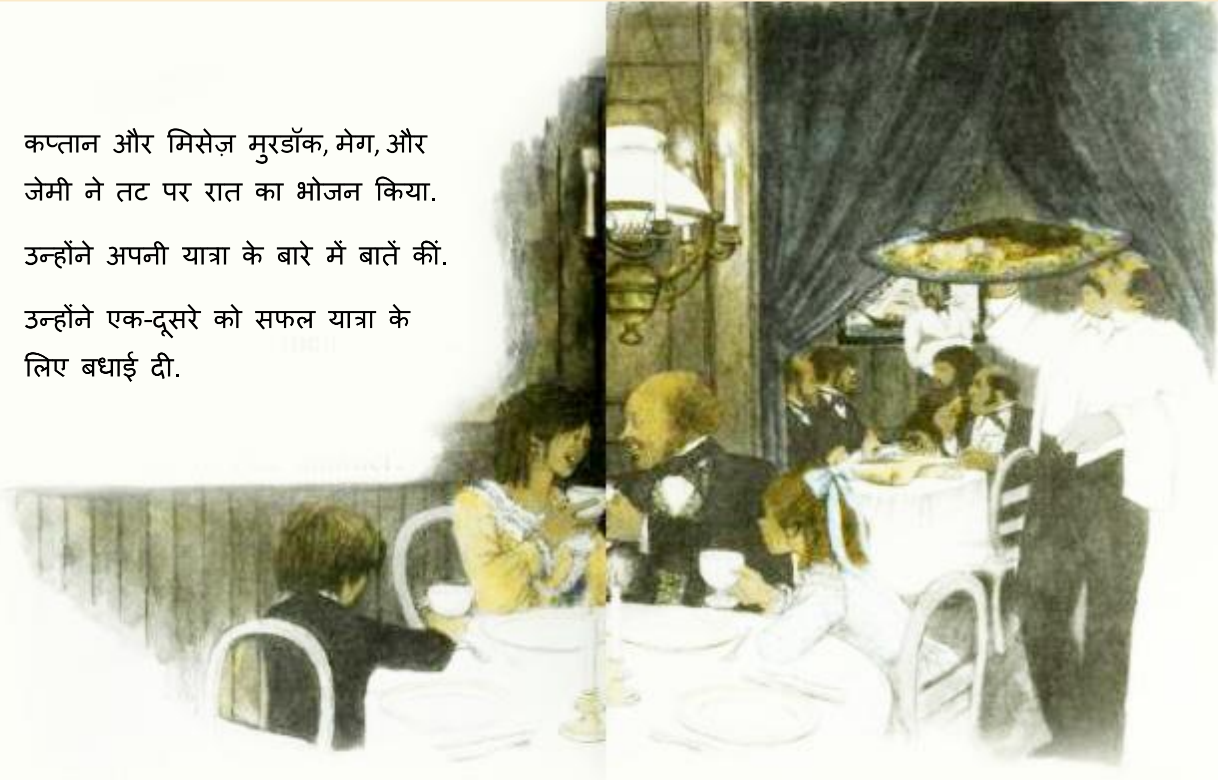

"मेग और जेमी को बधाई!"

"माँ और पिता को बधाई!"

फिर रेनबर्ड के दो कप्तानों ने एक दूसरे को चुंबन के साथ बधाई दी.

लेखक का नोट

रेनबर्ड की कहानी 1850 के आसपास क्लिपर जहाज की यात्राओं की कहानियों पर आधारित है. यह कैलिफोर्निया में सोने की खोज के बाद की कहानी है. यदि हवा शांत होती, तो न्यूयॉर्क हार्बर से सैन फ्रांसिस्को खाड़ी तक की यात्रा में लगभग तीन महीने लग सकते थे. यह मैरी पैटन की सच्ची जीवन की कहानियों पर आधारित है. उसके साथ मिसेज़ चार्लोट बेबकॉक, मिसेज़ क्रेसी, मिसेज़ क्लार्क, और कई अन्य महिलाएं की भी कहानियों पर आधारित है जो अपने पतियों और परिवारों के साथ समुद्र में गईं थीं.

कुछ परिवारों ने कई साल समुद्र में बिताए. उदाहरण के लिए, मैककॉम परिवार, जहाज पर तेरह साल तक रहा. जब सेवानिवृत्त हुए, तो उनके दो बेटे तट पर जीवन से काफी चकित हुए क्योंकि वे कभी किसी घर में नहीं रहे थे.